जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 210 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 2 जून, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

परूवियन डाइविंग पैंट्रल एक छोटी सी सी बर्ड है जो हवा के बजाय पानी पर ज्यादा समय गुजारती है। अपने नाम के अनुरुप, भोजन की तलाश में यह चिड़िया, दक्षिणी अमेरिका के पूर्वी तट के बर्फीले ठंडे पानी में 82 मीटर की गहराई तक गोता लगाती है और गले पर बने पाउच में अपना भोजन भर लेती है। लेकिन जलवायु परिवर्तन एवं मानवजनित दबाव की वजह से अब यह प्रजाति संकटग्रस्त हो गई है। परूवियन डाइविंग पैंट्रल, जिसे स्थानीय लोग युनकोस कहते हैं, के समक्ष आवास विनाश व घुसपैठिया परभक्षी प्रजातियों का बड़ा खतरा है। उदाहरण के लिए, चिली का चानरल आईलैंड, जो इस प्रजाति का प्रमुख प्रजनन केन्द्र रहा है, वहां से खरगोश, लोमड़ी आदि ने इन्हें बाहर धकेल दिया है। बीसवीं सदी के आरंभ में लोग इस द्वीप पर खरगोश लाए थे, यहां के मछुआरों के लिए भोजन के स्रोत के रुप में, लेकिन खरगोशों ने इन पक्षियों के बिलों पर कब्जा कर लिया और द्वीप की वनस्पति को भी खत्म कर दिया। खरगोश की आबादी कम करने के लिए लोमड़ी लाई गई, पर उन्हें खरगोश के बजाय डाइविंग पैंट्रल का शिकार करना ज्यादा रास आया। वर्ष 2013 में आईलैंड कंज़र्वेशन ओर चिलिअन नैशनल फॉरेस्ट्री कॉर्पोरेशन (कोनाफ) ने हम्बोल्ट पैनग्विन नैशनल रिज़र्व की मरम्मत करना शुरु किया। इस रिजर्व में चानरल, दामास और चोरोओ, तीन द्वीप शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने यहां से घुसपैठिया प्रजातियों को हटाना शुरु किया और वर्ष 2017 में चानरल आईलैंड को ''रैबिट एण्ड फॉक्स फ्री'' घोषित कर दिया गया। वर्ष 2019 में आइलैंड कंज़र्वेशन, कोनाफ, कैथलिक युनिवर्सिटी ऑफ द नॉर्थ एवं प्रोजैक्ट पफिन के वैज्ञानिकों ने फिर से परूवियन डाइविंग पैंट्रल को यहां बसाने की कोशिश शुरु कर दी। आइलैंड के पार्क रेंजर, क्रिस्चिअन रिवेरा ने बताया, ''हमने कृत्रिम पी.वी.सी. नैस्ट लगाए और वयस्क पैंट्रल को यहाँ घोंसले बनाने हेतु आकर्षित करने के लिए सोलर पावर से चलने वाले दो स्पीकर लगाए जो पैंट्रल ''कॉल्स'' की रिकॉर्डिंग बजाते थे। कुछ ही दिन बाद पैंट्रल का आना शुरु हो गया। प्रोजैक्ट शुरु होने के डेढ़ साल बाद वैज्ञानिकों को यहां पैंट्रल द्वारा खोदे गए गड्ढे और एक गड्ढे में उन्हें चूजा दिखा। द्वीप पर चालीस साल बाद पहली बार अण्डे से चूजा निकला। स्पष्ट है कि, द्वीप को घुसपैठिया प्रजातियों से मुक्त करने और मूल प्रजातियों को फिर से बसाने के प्रयास बेहद सफल रहे हैं।

'हैलो मिस्टर मोदी'

राहुल गांधी ने मोदी सरकार द्वारा पैगसस सॉफ्टवेयर के मार्फत फोन टैपिंग करने का मखौल उड़ाया

- **राहुल गांधी ने कैलिफोर्निया में स्टार्टअप उद्यमियों से बात करते समय आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस व नवीनतम टैक्नॉलजीज़ के ज्ञान से प्रभावित किया, पर प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष करने से नहीं चूके।**
- **इण्डियन ओवरसीज़ कांग्रेस ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। जैसा कि विदित ही है, अमेरिका में ''स्टार्टअप'' कम्पनियां चलाने वालों में 50 प्रतिशत भारतीय मूल के व्यक्ति हैं।**
- **राहुल गांधी के मखौल का मकसद इस बात पर फोकस करना था कि, भारत में आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस आदि, आधुनिकतम टैक्नॉलजीज़ के पनपने का भारी स्कोप है, पर इससे पहले प्रायवेसी, डेटा सेफ्टी व सिक्युरिटी के बारे में स्पष्ट व सख्त नीति स्थापित करना जरूरी है।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। राहुल गांधी ने अपने अमेरिका प्रवास के दूसरे दिन के दोपहर तक का समय सिलिकॉन वैली में स्टार्टअप उद्यमियों के साथ चर्चा में बिताया। ये लोग आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस तथा कटिंग-ऐज टैक्नॉलजीस के क्षेत्र में अभिनव कार्य करने के लिये विख्यात हैं। वे इन कौशलों के उपयोग से लोगों की समस्याओं और परेशानियों का समुचित हल तलाश रहे हैं ताकि लोगों का जीवन आसान एवं सुविधाजनक हो जाये।

''प्ले एण्ड प्लग ऑडोटोरियम की पहली पंक्ति में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा तथा कुछ अन्य अतिमहत्वपूर्ण सहायकों, जो भारत से उनके साथ गये हैं, के साथ बैठे राहुल गांधी विशेषज्ञों की पैनल चर्चा में तल्लीन दिखाई दे रहे थे। चर्चा आर्टिफिशियल इन्टेलीजेंस, बिग डेटा, मशीन लर्निंग तथा मानव जाति एवं शासन, समाज कल्याण के उपायों तथा भ्रामक एवं गलत जानकारी जैसे मुद्दों के मामलों में इनके उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर केन्द्रित थी।

इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ राहुल गांधी का गहन वार्तालाप तथा नवीनतम तकनीकों के प्रयोग एवं उपयोग के प्रति उनके झुकाव, उनके पिता राजीव गांधी की याद दिला रहा था, जो आधुनिक तकनीकों के दीवाने थे तथा देश में कम्प्यूटर एवं कम्यूनिकेशन टैक्नॉलजी लेकर आये थे, जिसके फलस्वरूप आज भारत आई.टी. के क्षेत्र में सिरमौर बना हुआ है।

राहुल गांधी ने कहा कि डेटा नया गोल्ड है तथा भारत जैसे देशों को इसकी वास्तविक क्षमता एवं ताकत का अहसास हो गया है। ''डेटा-सुरक्षा को लेकर समुचित नियम कानूनों की जरूरत है।''

किन्तु पैगसस स्पाइवेयर तथा इसी प्रकार की अन्य तकनीकों के मुद्दे पर गांधी ने श्रोताओं को बताया कि वे इसको लेकर चिंतित नहीं है। बीच में एक बार उन्होंने यह जरूर कहा कि वे जानते हैं कि उनका फोन टैप हो रहा है और मजाक में अपने आई फोन पर बोले, ''हैलो, मोदी जी''।

उन्होंने कहा, ''मैं यह मानकर चलता हूं कि मेरा आई फोन टैप हो रहा है। एक व्यक्ति के रूप में तथा एक राष्ट्र के रूप में, डेटा इन्फॉर्मेशन की प्राइवेसी के संबंध में नियम बनाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ''अगर किसी देश की सरकार यह ठान लेती है कि उसे आपका फोन टैप करना है तो उसे कोई नहीं रोक सकता। मेरा ऐसा सोच है। अगर किसी देश की रूचि फोन टैप करने में है तो लड़ने योग्य लड़ाई नहीं है। मैं यह मानता हूं कि मैं जो कुछ कर रहा हूं, उसकी जानकारी सरकार को उपलब्ध है।''

अपनी टिप्पणियों में गांधी ने कहा कि वर्ष 2000 में, जब वे राजनीति में आये थे, उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उन्हें यह सब सहना पड़ेगा तथा अब वे यह महसूस कर रहे हैं कि राजनीति में आते समय उन्होंने जो कुछ सोचा था, अब सब कुछ उससे अलग हो रहा है।

सांसद के रूप में लोकसभा से अपनी डिसक्वालिफिकेशन का जिक्र करते हुए 52 वर्षीय राहुल ने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उनके साथ ऐसा कुछ होना भी संभव है।

राहुल गांधी ने कहा, ''मेरे खयाल से, यह ड्रामा वास्तव में करीब छः महीने पहले शुरू हुआ था। हम लोग संघर्ष कर रहे थे। भारत का सम्पूर्ण विपक्ष ही संघर्ष कर रहा है। विशाल वित्तीय प्रभुत्व। संस्थाओं पर कब्जा, हम अपने देश में लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने के लिये संघर्ष कर रहे हैं।'' ऐसे दौर में, एक समय आया कि मैंने ''भारत जोड़ो यात्रा'' का निर्णय ले लिया।

उन्होंने कहा, ''मैं इस मामले में बिल्कुल स्पष्ट हूं, हमारी लड़ाई हमारी लड़ाई है।'' भारतीय विद्यार्थियों तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चीन के पत्रकारों को भारत स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका नहीं दे रहा है'

चीन के जाने-माने अखबार, ग्लोबल टाइम्स में चीन के विदेश मंत्रालय ने प्रमुखता से यह खबर छपवाई

- **चीन ने आरोप लगाया कि, इस बदले की भावना का कारण, चीन द्वारा भारत की न्यूक्लियर सप्लायी ग्रुप की सदस्यता का विरोध करना बताया।**
- **चीन का आरोप है कि, भारत चीन के पत्रकारों को जानबूझ कर वीज़ा नहीं दे रहा। पहले भारत में चीन के 14 पत्रकार काम करते थे, अब उनकी संख्या घट कर एक हो गयी है और इस आखिरी पत्रकार का वीज़ा भी खत्म होने वाला है तथा ''रिन्यु'' होने की संभावना नहीं है।**
- **यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, भारत का भी एक ही पत्रकार बचा है चीन में। वह हिन्दू अखबार का प्रतिनिधि है तथा उसके वीज़ा की अवधि भी खत्म हो रही है।**
- **ग्लोबल टाइम्स ने यह भी आरोप लगाया कि, अमेरिका के नजदीक आने के लिये बेवजह भारत चीन के प्रति आक्रामक व सख्त रूख रखता है।**

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। क्या भारत द्वारा चीनी पत्रकारों को कथित रूप से देश से निकाल देना चीन के उस कदम का बदला है जिसके अन्तर्गत, उसने भारत के न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एन.एस.जी.) में शामिल होने का विरोध किया था? या भारत का यह कथित कदम इन रिपोर्टों से प्रभावित है कि चीनी पत्रकारों ने दिल्ली तथा मुम्बई के प्रतिबंधित विभागों में पहुँचने के लिये छद्म रूप धारण किया था? या नई दिल्ली की कथित कार्यवाही इन आरोपों के फलस्वरूप हुई है कि चीनी पत्रकार तिब्बत के निर्वासित ऐक्टिविस्टों के साथ मीटिंग कर रहे थे?

ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर अभी तक सरकार के स्तर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन ये कदम सीमा-विवाद को लेकर भारत और चीन के बीच के तनावपूर्ण संबंधों को और ज्यादा खराब कर सकते हैं।

चीन ने भारत से रिपोर्टिंग करने वाले अपने पत्रकारों के प्रति तथाकथित ''अनुचित व्यवहार'' पर सख्त प्रतिक्रिया दी है।

चीनी तथा पश्चिमी मीडिया रिपोर्टों का कहना है कि चीन ने बुधवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कश्मीर में दो आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, 1 जून (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। पुलिस ने कहा कि, उन्हें फ्रेस्टिहार क्रीरी गांव में आतंकवादी गतिविधियों की जानकारी मिली थी।

प्रसूता की मौत, डॉक्टर सहित तीन कार्मिक ए.पी.ओ.

जयपुर, 1 जून (का.सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करणपुर, करौली में डिलीवरी के दौरान प्रसूता की मृत्यु के प्रकरण में प्रथम दृष्टया दोषी पाये गये चिकित्सक सहित 3 कार्मिकों को चिकित्सा विभाग ने एपीओ कर दिया है।

- **करौली में करणपुर में 30 मई को हुई इस घटना में चिकित्सक डॉ. राधेश्याम बैरवा, नर्सिंग कर्मी नाथू मीणा और ए.एन. एम. मनीषा मीणा को प्रथम दृष्टया लापरवाही का दोषी पाया गया है।**

गौरतलब है कि, 30 मई को करौली जिले के करणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डिलीवरी के दौरान अधिक रक्त स्राव के कारण प्रसूता की मौत हो गयी थी, जिसे सरकार ने गंभीरता से लेते हुए मामले की त्वरित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुण्डे बहनों का विद्रोह!

दिवंगत भाजपा नेता गोपीनाथ मुण्डे की पुत्रियाँ महिला कुश्ती खिलाड़ियों के समर्थन में कूदीं

- **गोपीनाथ मुण्डे व उनके साले प्रमोद महाजन को, महाराष्ट्र में भाजपा को स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है।**
- **पर, मुण्डे की 2014 में मृत्यु के बाद उनकी पुत्री प्रीतम मुण्डे महाराष्ट्र से भाजपा सांसद है तथा उनकी बहन पंकजा मुण्डे का मु.मंत्री बनने के लिये नाम भी चला था।**
- **महिला कुश्ती खिलाड़ियों का आंदोलन अब भाजपा के असंतुष्ट नेताओं के लिये अपनी कुण्ठा जाहिर करने का अच्छा माध्यम बन गया है।**
- **विद्रोह का कुछ मतलब निकले या न निकले, इसने भाजपा के लिये महाराष्ट्र में कुछ अटपटी सी स्थिति जरूर बना दी है।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के संघर्ष का बहुआयामी प्रभाव पड़ रहा है। असंतुष्ट भाजपा नेतृत्व अपने शिकायतों को उठाने के लिए इस संघर्ष का प्रयोग कर रहे हैं।

महाराष्ट्र, जहां भाजपा की स्थिति पहले से ही डांवाडोल है, में भाजपा की चिंताएं बढ़ गई हैं क्योंकि मुंडे सिस्टर्स (भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. गोपीनाथ मुंडे की पुत्रियां) ने बगावत कर दी है और उन्होंने पार्टी के अधिकृत रूख के विपरीत जाकर सिंह के खिलाफ कार्यवाही की महिला पहलवानों की मांग का समर्थन किया है। प्रीतम मुंडे ने कहा कि पार्टी को महिला पहलवानों की मांगों व समस्याओं पर विचार करना ही होगा। उनकी बहन पंकजा मुंडे, जिन्हें कभी मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना जाता था, ने तो पूरी तरह से खुली जंग छेड़ दी है। उन्होंने कहा कि वो भाजपा की हैं पर भाजपा उनकी नहीं है। मैं किसी से नहीं डरती। डरना हमारे खून में नहीं है। अगर मेरे पास कुछ करने को नहीं होगा तो मैं खेतों में जाकर गन्ने की फसल की कटाई कर लूंगी।

गोपीनाथ मुंडे, जो वर्ष 2014 में नई दिल्ली में कार हादसे में मारे गए थे, की बेटियां कुछ समय से भाजपा नेतृत्व से नाराज़ है। वर्ष 2019 विधानसभा चुनाव में हारने के बाद पंकजा को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया और एकनाथ शिंदे की सरकार में मंत्री नहीं बनाने से भी वे नाराज हैं। दूसरी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार ने मु.मंत्री शिंदे से मुलाकात की

मुंबई, 1 जून। नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के अध्यक्ष शरद पवार ने गुरुवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। पवार और शिंदे की बीच यह मुलाकात करीब आधे घंटे तक चली। शरद पवार सीएम से मिलने के लिए मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा बंगले पहुंचे थे।

- **शरद पवार सीएम से मिलने के लिए मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास, वर्षा बंगले पर गए।**
- **दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात आधे घंटे से ज्यादा वक्त तक चली।**

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन.सी.ई.आर.टी. के सिलबस में 30 प्रतिशत कटौती का अस्थाई फैसला अब परमानैंट हुआ

एन.सी.ई.आर.टी. ने कोविड काल में पढ़ाई का बोझ कम करने के लिए 6वीं से 12वीं तक के सिलबस में 30 प्रतिशत कटौती की थी, आश्चर्य की बात है कि, अब इस कटौती को स्थाई कर दिया गया है

- **शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों का मानना है कि, इस फैसले का विद्यार्थियों के जीवन और शिक्षा पर दूरगामी और गहरा प्रभाव पड़ेगा। शिक्षाविदों का कहना है कि, सिलबस कटौती के कारण कई जरूरी विषय और चैप्टर्स भी हटा दिये गये हैं।**
- **जैसा कि विदित है कि, एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 10वीं की किताबों से कई चैप्टर हटा दिए हैं। 10वीं की किताब में लोकतंत्र एवं पॉलिटिकल पार्टियों से जुड़ा चैप्टर भी हुआ करता था, जो अब हटा दिया गया है।**

नई दिल्ली, 1 जून। नैशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एन.सी.ई.आर.टी.) ने कोविड काल में लिया गया कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सिलबस में 30 प्रतिशत की कटौती करने का फैसला अब स्थाई कर दिया है। मतलब कि, कोविड टाइम में छात्रों पर से पढ़ाई का बोझ कम करने के मकसद से जो चैप्टर्स हटा दिये गये थे वे अब वापस सिलबस में नहीं जोड़े जायेंगे। एन.सी.ई.आर.टी. ने अपने इस अस्थाई फैसले को ही आगे भविष्य में भी लागू रखने का फैसला किया है।

एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 10वीं की किताबों से कई चैप्टर हटा दिए हैं। ये चैप्टर्स लोकतंत्र, पॉलिटिकल पार्टीज से जुड़े हुए थे। कक्षा दसवीं के सोशल साइंस की डैमोक्रेटिक पॉलिटिक्स बुक-2 से इन चैप्टर्स को हटाया गया है। जानकारी के अनुसार, इन चैप्टरों के नाम लोकतंत्र और विविधता, राजनीतिक दलों और लोकतंत्र की चुनौतियां हैं। इसके अलावा, एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 10वीं की साइंस बुक से पीरियोडिक टेबल भी हटा दी है।

एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों से विभिन्न चैप्टर्स हटाए जाने पर विवाद छिड़ गया है। कई जानकारों और शिक्षाविदों ने इस कदम का विरोध किया है। दरअसल, कोविड महामारी के दौरान, एनसीईआरटी ने छात्रों की पढ़ाई का बोझ कम करने के लिए विभिन्न चैप्टर्स को हटा दिया था। अब इसे स्थाई तौर पर हटाया गया है। वैज्ञानिकों और शिक्षकों ने कक्षा 10 के पाठ्यक्रम से महत्वपूर्ण अध्यायों को हटाने के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की है।

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा शैक्षिणक वर्ष 2022-23 के लिए एक संशोधित पाठ्यक्रम जारी किया गया था, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम को हटा दिया गया था। अब, इसे स्थायी कर दिया गया है। 2014 से, एन.सी.ई.आर.टी. ने तीन बार पाठ्यक्रमों में संशोधन किया है। 2017, 2019 और 2021 में। इससे पहले अप्रैल में एन.सी.ई.आर.टी. ने कक्षा 9 और कक्षा 10 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों से चार्ल्स डार्विन के विकास के सिद्धांत को हटाने का भी फैसला किया था। तब भी काफी विवाद हुआ था। वहीं, महात्मा गांधी की हत्या और स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के संदर्भों को कक्षा 11 की राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों से हटा दिए जाने के दौरान भी काफी बवाल मचा था। इसके अलावा एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तकों से विभिन्न स्तरों पर मुगल इतिहास के संदर्भ को भी छोटा कर दिया गया है।

जैसा कि विदित है कि, हाल ही में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एस.जी.पी.सी.) की आपत्तियों के बाद एन.सी.ई.आर.टी. ने 12वीं कक्षा की राजनीतिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक से एक अलग सिख राष्ट्र खालिस्तान की मांग के संदर्भ को हटा दिया था। एस.जी.पी.सी. ने पिछले महीने आरोप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वॉट्सऐप ने अप्रैल में 74 लाख अकाउन्ट्स बंद किये

नई दिल्ली, 1 जून। वॉट्सऐप ने अप्रैल 2023 में भारत में रिकॉर्ड 74 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को बैन कर दिया है। यह जानकारी आईटी नियम 2021 के तहत पब्लिश की गई कंपनी की मंथली रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में 1 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2023

- **कंपनी ने इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी नियम 2021, का हवाला देते हुये यह कार्रवाई की है। कंपनी ने कहा है कि, इन वॉट्सऐप अकाउन्ट्स के बारे में हमें शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं।**

तक में बैन किए गए अकाउंट्स का आंकड़ा बताया गया है। रिपोर्ट में अनुसार, अप्रैल में कंपनी को भारत में 4,377 शिकायतें मिलीं, और कंपनी ने रिकॉर्ड 234 पर कार्रवाई की। बता दें कि वॉट्सऐप दुनियाभर में सबसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)